Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2024 = 8.153
https://www.srjis.com/issues_data/227
Peer Reviewed & Refereed Journal, Jan-Feb 2024, Vol- 12/81
https://doi.org/10.5281/zenodo.10825266

अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

पंकज देवराड़ी, रश्मि नौटियाल एवं गीता खण्डूरी

एम०एड०छात्र, शिक्षा विभाग,हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल.

शोधार्थी, शिक्षा विभाग, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल.

प्रोफेसर(शिक्षा विभाग),हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल

Paper Received On: 20 Jan 2024

Peer Reviewed On: 26 Feb 2024

Released On: 01 March 2024

Abstract

शिक्षा मानव जीवन के आधार का एक अहम् हिस्सा है जिसके द्वारा मानव का सर्वांगीण विकास होता है और मानव सभ्यता बेहतर होती जाती है प्रस्तुत शोध में अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है शोध हेतू उत्तराखण्ड राज्य के जनपद चमोली के थराली और देवाल ब्लाक के विद्यार्थियों को लिया गया है और आकड़ो के संग्रहण हेतु स्वनिर्मित प्रपत्र के द्वारा किया गया है जिसमे 30 कथनों को लिया गया है जो शिक्षा प्रक्रिया को दर्शाते है और जिसमे सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है विश्लेष्ण हेतु माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल सोफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण किया गया इस सांख्यिकीय विश्लेषण के टी –परीक्षण को अपनाया गया प्रस्तुत शोध के परिणाम दर्शाते है अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक पाई गई ओर साथ ही लिंग के आधार पर उनकी अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया ओर कक्षा ओर विषय वर्ग के आधार पर विद्यार्थियों शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

शब्द कुंजी: *अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय, शिक्षण प्रक्रिया,अभिवृत्ति*

प्रस्तावना (Introduction): शिक्षा एक ऐसी सामाजिक प्रक्रिया मानी जाती है जो समाज तथा राष्ट्र की समस्याओं का समाधान में महत्वपूर्ण योगदान देती रही है किसी भी देश की प्रगति की पीछे उसे देश की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा हाथ होता है और शिक्षा प्रत्येक देश समाज का अपना शिक्षा का इतिहास होता है कि वहां पर औपचारिक शिक्षा का विकास कब हुआ और कैसे हुआ इस बात को सभी

Copyright © 2024, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विद्वान मानते हैं कि विश्व में सबसे प्राचीनतम ग्रंथ वेद हैं जो कि अपने आप में ज्ञान को से अतः यह माना जाता है कि ज्ञान की किरण का सर्वप्रथम प्रश्न भारत में ही हुआ है **डॉक्टर सर्वपल्ली राधा कृष्णन के अनुसार**- शिक्षा सूचना प्रदान करने एवं कौशल का प्रशिक्षण देने तक सीमित नहीं है इसे शिक्षित व्यक्तियों को मूल्य का विचार भी प्रदान करना है। **विवेकानंद जी कहते हैं कि** - "शिक्षा मनुष्य के अंदर सहित पूर्णता का प्रदर्शन है "|

प्रत्येक देश की अपनी शिक्षा व्यवस्था होती है भारत में प्राचीन काल में शिक्षा को दो स्तरों में वर्गीकृत किया गया था पहले प्राथमिक शिक्षा और दूसरी उच्च शिक्षा समय के साथ-साथ समाज में कई परिवर्तन आए जिसे शिक्षा प्रणाली को भी प्रभावित किया क्योंकि समाज बदलता है तो शिक्षा का स्वरूप भी बदलता है और शिक्षा का स्वरूप बदलता है तो समाज बदलता है कमजोर शासन व्यवस्था के कारण भारत में विदेशीयों ने शासन किया और उन्होंने भारतीय शिक्षा प्रणाली को भी प्रभावित किया मुस्लिम शासन की समय भी शिक्षा को दो स्तरों में ही बांटा गया था प्राथमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा उसके पश्चात भारत में अंग्रेजों का शासन हुआ और उन्होंने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को बहुत अधिक प्रभावित किया अंग्रेजो के शासन काल में भारतीय शिक्षा को तीन स्तर में विभाजित किया गया प्राथमिक माध्यमिक और उच्च शिक्षा माध्यमिक शब्द का अर्थ है माध्य माध्यमिक शिक्षा प्राथमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के मध्य की शिक्षा आज किसी भी देश में माध्यमिक शिक्षा प्राथमिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा के बीच एक ऐसी कड़ी होती है और बच्चों के निर्माण की शिक्षा होती है

शिक्षा का विकास वैदिक युग से होते हुवे मध्यकाल और अंत में आधुनिक युग तक आ पहुचा है और वर्तमान में शिक्षा का वैश्वीकरण जिस प्रकार हुवा है उसने शिक्षा जगत को उन्नत करने का काम किया और आज हम शिक्षा के प्रभाव को समाज पर देखते हैं जिसके आधार पर आज तमाम सारी शिक्षा नीतिया बन रही है जो जिसमे नये नये बोर्ड खुल रहे हैं और नई विद्यालयी परिवेश बन रहे हैंजैसे राजीव गांधी नवोदय विद्यालय,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय,और अटल उत्कृष्ट आदर्श जैसे विद्यालयों का निर्माण हुआ है वर्ष 2016 में राज्य के सरकारी स्कूलों को विकसित करने के लिए बनाई गई योजना है हमारा विद्यालय आदर्श विद्यालय की योजना फेल हुई तब सरकार द्वारा 5 अक्तूबर 2019 को एक सूची निकाली गई जिसमे 300 सरकारी स्कूल थे जिसमे आधुनिकता के हिसाब से उन्नत लेब है और ऑनलाइन शिक्षा की भी व्यवस्था है 5 साल के इस प्रोजेक्ट के तहत हर राज्य को 140 करोड़ की धन राशि मिलनी है और हर विद्यालय में अंग्रेजी और हिंदी माध्यम में शिक्षण कार्य होगा | **टोपला,अ.(2014)**ने वयस्क विद्यार्थियों का शिक्षण अधिगम और शिक्षण संतुष्टि के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया है प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तिगत और सामाजिक

इत्यादि पहलुयों का प्रभाव उनके शिक्षण अधिगम और शिक्षण संतुष्टि के अभिवृति का अध्ययन करना है प्रस्तुत अध्ययन में 25 से 57 वर्ष वाले 80 विद्यार्थियों का चयन प्रतिदर्श के रूप में किया गया जिसमें वयस्क विद्यार्थियों में सीखने से संबंधित विभिन्न पहलुओं को जानने के लिए स्वयं निर्मित मापने का निर्माण किया गया है उसमें 19 प्रश्नों का समावेश है और आंकड़ों को एकत्रित करने आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है अध्ययन के परिणामों से यह निष्कर्ष प्राप्त हुए कि वयस्क विद्यार्थियों का शिक्षण अधिगम और शिक्षण संतुष्टि के प्रति अभिवृत्ति में कोई भी अंतर नहीं पाया गया है। **शर्मा, च.(2016)**ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया है प्रस्तुत अध्ययन मध्य प्रदेश राज्य के मंदसौर जनपद के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों पर आधारित है प्रस्तुत अध्ययन में शासकीय विद्यालयों में से 100 विद्यार्थियों का यादृच्छिक विधि के द्वारा प्रतिदर्श के रूप में चयन किया गया प्रस्तुत अध्ययन में स्वयं निर्मित अनुसूची का निर्माण किया गया जिसमें कुल 19 कथनों का समावेश किया गया है अनुसूची में अध्यापक तथा विद्यालय की परिस्थियों, सामाजिक परिस्थितियों व विद्यार्थियों की उच्च उपलब्धि से संबंधित कथनों का समावेशन था .स्वयं निर्मित अनुसूची के द्वारा आंकड़ों का संग्रहण और विश्लेषण किया गया प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक है।उपरोक्त समीक्षाओ के आधार पर प्रस्तुत शोध के निम्न उद्देश्य निर्धारित किए गए है

शोध उद्देश्य (Objectives of the Study)

1. अटल उत्कृष्ट आदर्श के विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
2. कक्षा के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
3. लिंग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
4. विषय वर्ग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाएं (Hypothesis of the Study)

H01:कक्षा के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H02:लिंग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H03:विषय वर्ग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि (Research Methodology): प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। .प्रस्तुत शोध के अध्ययन में उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली एवं देवाल ब्लॉक के सभी 4 अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के सभी कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राएं का चयन यादृच्छिक

नमूना तकनीकी द्वारा किया गया। इन चार अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय से 345 का न्यादर्श लिया गया। जो जनसंख्या का पूर्णतः प्रतिनिधित्व करते थे। आवश्यक डेटा एकत्र करने के लिए एक स्वनिर्मित उपकरण "शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृति " का उपयोग किया गया था। उपकरण में शिक्षण प्रक्रिया पर 3 0 कथन शामिल थे, यह उपकरण क्रमशः पूर्णत :सहमत, सहमत,उदासीन ,असहमत और पूर्णत:असहमत के साथ पांच -बिंदु रेटिंग पैमाने के साथ विकसित किया गया है.

आंकड़ों के विश्लेषण की प्रक्रिया: आंकड़ों के एकत्रीकरण के लिए एक स्वनिर्मित उपकरण लागू किया गया था। इसमें जनसंख्या के लिए चमोली जिले यादृच्छिक न्यादर्श तकनीकी द्वारा देवाल और थराली ब्लॉक के सभी चार अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के 11वीं और 12वीं के का चयन किया गया। उपकरण को सभी विधार्थियो पर प्रशासित किया गया था। जिसमे 345 विधार्थियो ने इस प्रश्नावली को भरने मैं भाग लिया। एकत्रित आंकड़ों के विश्लेषण करने के लिए एमएस एक्सेल सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया था। विश्लेषण के लिए प्रतिशत विश्लेषण और टी-टेस्ट लागू किया गया था।

विश्लेषण तथा व्याख्या: 1. विधार्थियों की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ

तालिका 1: जनसांख्यिकीय विशेषताएँ

कक्षा	N(प्रतिशत)	लिंग	N(प्रतिशत)	विषय वर्ग	N(प्रतिशत)
11वीं	183(53%)	पुरुष	179(52%)	कला	252(73%)
12वीं	162(47%)	महिला	166(48%)	विज्ञान	93(27%)
कुल	345(100%)	कुल	345(100%)	कुल	345(100%)

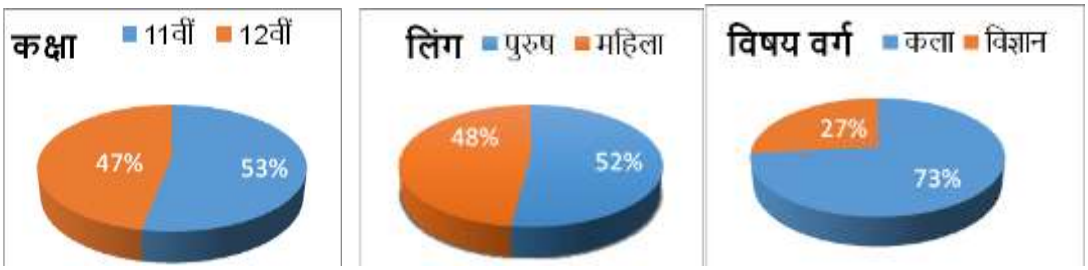

चित्र 3: विद्यार्थियों का कक्षा प्रतिशत, लिंग प्रतिशत,ओर विषय वर्ग प्रतिशत

उपरोक्त तालिका संख्या ओर चित्र संख्या 1, अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के विद्यार्थियों की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ है जिसमे उनकी संख्या तथा उनका प्रतिशत प्रदर्शित होता है प्रस्तुत शोध में 183 (53%) विधार्थी 11वीं कक्षा के 162 (47%) विधार्थी 12वीं कक्षा के है जहां पुरुष छात्र की संख्या 179 (52%) तथा महिला विधार्थियों की संख्या 166 (48%) है। 252 (73%) कला वर्ग के व 93(27%) विज्ञान वर्ग के विधार्थी शामिल हुए|

2. माध्य(Mean) और एस.डी(SD) कुल न्यादर्श में शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति

तालिका 2: माध्य और मानक शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति के अंक

वर्ग	चर	संख्या	M	SD/ σ
अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के विधार्थी	शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति	345	110	12

तालिका 2: यहां कट-ऑफ बिंदु M ± 1σ है। माध्य(M) =110, N=345 और SD/ σ =12। कुल न्यादर्श पर शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का माध्य और मानक विचलन 110 और 12 था। इसका मतलब है, 110+ 1 × 12 = 122 एम +1 σ है। इसके अलावा, 110-1 × 12 = 98 एम -1 σ है।

3. शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का प्रतिशत विश्लेषण।

तालिका 3: शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का स्तर (प्रतिशत विश्लेषण)।

प्राप्तांक	आवृत्ति	प्रतिशत	अभिवृत्ति का स्तर
122 से ऊपर	75	22%	अधिक
98-122 के मध्य	211	61%	मध्यम/औसत
98 से नीचे	59	17%	कम

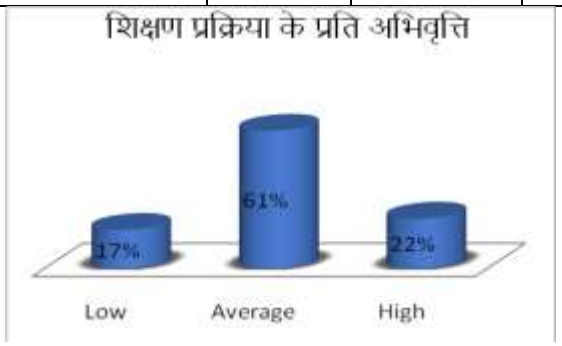

चित्र 3: शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का स्तर का प्रतिशत

H01: कक्षा के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 4.शिक्षण प्रक्रिया के प्रति पुरुष और महिला विद्यार्थियों के अभिवृत्ति का माध्य, एस.डी और पी मान

कक्षा	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	Df	t - मान	सार्थकता 2-पूंछ	सार्थकता स्तर
11वी	183	109.68	11.38	343	0.518	0.6042	सार्थक अंतर है
12वी	162	110.38	13.35				

उपरोक्त तालिका संख्या1.3,के अनुसार अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालयमें अध्ययनरत कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों का मध्यमान 109.67 और मानक विचलन 110.37 व 12वीं के विद्यार्थियों का मध्यमान 110.37 और मानक विचलन13.34 पायागया।इसतरह कक्षा 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों के मध्यमानो की तुलना करने पर t कामान Df 343 पर 1.660 पाया गया,जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक हैं अतःशून्य परिकल्पना स्वीकृत हुई है। इसे यह निष्कर्ष निकलता है की कक्षा के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H02:लिंग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका संख्या1.4-विद्यार्थियों का लिंग के आधार पर विवरण

लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	Df	t- मान	सार्थकता 2-पूंछ	सार्थकता स्तर
पुरुष	179	106.93	11.60	343	4.90	.00004	सार्थक अंतर नहीं है
महिला	166	113.31	12.50				

उपरोक्त तालिका संख्या 1.4,के अनुसार अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय में अध्ययनरत पुरुष विद्यार्थियों का मध्यमान 106.93 और मानक विचलन 11.60 व महिला विद्यार्थियों का मध्यमान 113.31 और मानक विचलन 12.50 पाया गया।इसी तरह कक्षा पुरुष व महिला विद्यार्थियों के मध्यमानो की तुलना करने पर t का मान df 343 पर 4.90 पाया गया, जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं हैं अतःशून्य परिकल्पना अस्वीकृत हुई है। इसे यह निष्कर्ष निकलता है की लिंग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है।

H03:विषय वर्ग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका संख्या 1.6-विद्यार्थियों का विषय वर्ग के आधार पर विवरण

विषय वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	Df	t-मान	सार्थकता 2-पूंछ	सार्थकता स्तर
कला	252	110.75	12.29	343	1.84	0.065	सार्थक नहीं है
विज्ञान	93	107.96	12.80				

उपरोक्त तालिका संख्या 1.6,के अनुसार अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय में अध्ययनरत कला वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान 110.75 और मानक विचलन 12.29 व विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान 107.96 और मानक विचलन 12.80 पाया गया। इसीतरह कला वर्ग के विद्यार्थियों एवं विज्ञान

वर्ग के विद्यार्थियों के मध्यमानो की तुलना करने पर t का मान df 343 पर 1.84 पाया गया,जो कि सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नही हैं अतःशून्य परिकल्पना अस्वीकृत हुई है। इसे यह निष्कर्ष निकलता है की वर्ग के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है।

निष्कर्ष एवं चर्चा: वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष से पता चलता है कि अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालयों का शिक्षण प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। कुल न्यादर्श में से, 61 % विद्यार्थी का शिक्षण प्रक्रिया के प्रति औसत स्तर अभिवृति दिखाया और 22 % विद्यार्थी का शिक्षण प्रक्रिया के प्रति उच्च स्तर का अभिवृति दिखाया। अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालयों को वर्तमान सरकारों द्वारा बनाया जा रहा है तथा उनमें विभिन्न प्रकार के साधन-संसाधनों को बढ़ावा दिया जा रहा है उस आधार पर विकास अभी का धीमी गति से हो रहा है, और शिक्षा का स्तर निश्चित ही भविष्य में और बेहतर होगा कक्षा के आधार पर विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है। लेकिन वर्तमान समय में विद्यार्थियों का लिंग के आधार पर जब अभिवृत्ति को हमारे द्वारा जांचा गया उनके मध्य सार्थक अंतर पाया गया और जिसमें पाया गया कि पुरुषों का औसत मान महिलाओं की औसत मान अपेक्षाकृत कम था कहीं ना कहीं अभी आवश्यकता है कि शिक्षा और उत्तम बन जाए और शिक्षा में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन जैसी बातों को दरकिनार करते हुए उत्तम एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा दी जाए साथ ही विषय वर्गों के आधार मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया .

उपयोगिता व भावी शोध हेतु सुझाव: प्रस्तुत शोध कार्य का शैक्षिक क्षेत्र से संबंधित शोध है शोध कार्य की शैक्षिक उपयोगिता एवं महत्व निम्नलिखित है आदर्श विद्यालयों अध्यनरत विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति के अध्ययन से यह महसूस किया गया कि जिस प्रकार विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की संख्या में कमी देखीं गयी उसको निम्न शोध के द्वारा संख्या में बदलाव किया जा सकता है और लिंग के आधार पर देखा जा सकता है कि छात्राएं शिक्षा में बढ़चढ़ के भाग ले रही हैं .प्रस्तुत शोध केवल दो ब्लॉक पर ही संपादित किया गया अध्ययन हेतु वृहद् स्तर पर भी किया जा सकता है।प्रस्तुत शोध केवल अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय के माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं 11वीं और 12वीं को ही लिया गया है भावी अध्ययन हेतु प्राथमिक विद्यालयव उच्च प्राथमिक के विद्यार्थियों पर भी किया जा सकता है।प्रस्तुत शोध केवल ग्रामीण स्तर के विद्यार्थियों पर ही किया गया है भावी अध्ययन हेतु शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को लिया जा सकता है।प्रस्तुत शोध में प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है भावी शोध हेतु साक्षात्कार विधि का प्रयोग किया जा सकता है।प्रस्तुत शोध में केवल गढ़वाल मंडल की दो ब्लॉक लिए गए हैं भावी शोध हेतु कुमाऊँ मंडल व गढ़वाल मंडल के अन्य

ब्लॉक भी लिए जा सकते हैं।प्रस्तुत शोध में स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया भविष्य में शोध हेतु मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया जा सकता |

सन्दर्भग्रन्थसूची

ओझा,एस.(2013). *सी.बी.एस। बोर्ड के विद्यार्थियों एवं छात्राओं के मूल्यों एवं व्यवसायिक अध्ययन,अन्वेषणं* शिक्षा का अभिवृत्ति तुलनात्मक का एक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम,1(1), पृष्ठसंख्या 50-53.

गुप्ता,एस०पी०और गुप्ता अलका(2003), *उच्तर शिक्षा मनोविज्ञान,*:शारदा पुस्तक भवन मेरठ |

गुप्ता,एस०पी०और गुप्ता अलका (2004)। "*शिक्षा मनोविज्ञान* "शारदा पुस्तक भवन मेरठ |

शर्मा.च.(2016).माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का शिक्षण के प्रति अभिवृति का अध्ययन आयुशी इंटरनेशनल बहुविषयक अनुसंध जर्नल ,4 (1) पृष्ठसंख्या, 4-6

चौधरी,बी.(2017).माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों एवं छात्राओं का शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन,सामाजिक विज्ञान व मानविकी का अंतरराष्ट्रीय जर्नल, पृष्ठसंख्या, 33-38

Cite Your Article as
Pankaj Deorari, Rashmi Nautiyal & Geeta Khanduri. (2024). ATAL UTKRUSHT ADARASH VIDYLAYA KE VIDYRTHIYONKI SHIKSHAN PRAKRIYANKE ABHIVRUTTI KA ADHAYAN. Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies, 12(81), 163–170. https://doi.org/10.5281/zenodo.10825266